

५

ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ପରିଷକ୍ଷଣା ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ପରିଷକ୍ଷଣା

५०

五

藏文

ॐ एकाग्रीभिर्गीभयस्त्विष्टुवूमंकुष्ठता ॥ अङ्गेष्टुविष्टुवद्वद्वद्विष्टुर्गुरु

۲۷

ऐक्षु के दृष्टिकोण में यह अनुरूप है।

51

藏文